* MCQ [7]

1. निम्नलिखित में से कौन-सी बात इस कविता में मुख्य रूप से कही गई है?
   (A) भलाई के कार्य करते रहना
   (B) दीपावली के दीपक जलाना
   (C) बल्ब आदि जलाकर अंधकार दूर करना
   (D) तिमिर मिलने तक नाव चलाते रहना

   जवाब : भलाई के कार्य करते रहना

2. "जला दीप पहला तुम्हीं ने तिमिर की, चुनौती प्रथम बार स्वीकार की थी" यह वाक्य किससे कहा गया है?
   (A) तूफ़ान से (B) तूफ़ान से
   (C) दीपकों से (D) तिमिर से

   जवाब : मनुष्यों से

3. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी का जन्म कब हुआ ?
   (A) 1915 (B) 1916 (C) 1917 (D) 1920

   जवाब : B
   व्याख्या : द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी का जन्म 1916 में हुआ ।

4. तिमिर के पर्यायवाची हैं-
   (A) अँधियारा (B) अँधकार (C) तमस (D) सभी

   जवाब : D
   व्याख्या : तिमिर के पर्यायवाची हैं- अँधकार, अँधियारा, तमस इत्यादि ।

5. शक्ति किसमें निहित है ?
   (A) गणित (B) अंग्रेज़ी (C) विज्ञान (D) हिन्दी

   जवाब : (C) विज्ञान

6. धरा का अर्थ है-
   (A) पृथ्वी (B) घास (C) मैदान (D) आकाश

   जवाब: (A) पृथ्वी

7. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी की मृत्यु कब हुई ?
   (A) 1992 (B) 1998 (C) 1996 (D) 1995

   जवाब : (B) 1998

* सही जोड़ मिलाए : [10]

8.

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. अमावस	A. पूर्णमासी, वह तिथि जिस रात चंद्रमा पूरा दिखाई देता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. पूर्णिमा	B. विद्युत दिये अर्थात बिजली से जलने वाले दीपक, बल्ब आदि उपकरण।
3. विद्युत – दिए	C. समय, काल, युग संख्या में चार माने गए हैं- सत्ययुग (सतयुग), त्रेता युग, द्वापर युग और कलियुग।
4. युग	D. अमावस्या, जिस रात आकाश में चंद्रमा दिखाई नहीं देता।

जवाब : 1. अमावस – अमावस्या, जिस रात आकाश में चंद्रमा दिखाई नहीं देता।

2. पूर्णिमा – पूर्णमासी, वह तिथि जिस रात चंद्रमा पूरा दिखाई देता है।

3. विद्युत – दीये – विद्युत दिये अर्थात बिजली से जलने वाले दीपक, बल्ब आदि उपकरण।

4. युग –समय, काल, युग संख्या में चार माने गए हैं- सत्ययुग (सतयुग), त्रेता युग, द्वापर युग और कलियुग।,

9.

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. कभी तो तिमिर का किनारा मिलेगा।	A. विश्व की भलाई का ध्यान रखे बिना प्रगति करने से कोई लाभ नहीं होगा।
2. जलाते चलो ये दिये स्नेह भर-भर।	B. विश्व में सुख-शांति क्यों कम होती जा रही है?
3. मगर विश्व पर आज क्यों दिवस ही में घिरी आ रही है अमावस निशा-सी।	C. विश्व की समस्याओं से एक न एक दिन छुटकारा अवश्य मिलेगा।
4. बिना स्नेह विद्युत – दिये जल रहे जो बुझाओ इन्हें, यों न पथ मिल सकेगा।	D. दूसरों के सुख-चैन के लिए प्रयास करते रहिए।

जवाब : (1. → C) (2. → D) (3. → B) (4. → A)

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए** [6]

10. बहाते चलो ________ तुम वह निरंतर (नैया, नाव, नौका)

जवाब : नैया

11. कभी तो तिमिर का _____ मिलेगा। (तट, तीर, किनारा)

जवाब : किनारा

12. रहेगा _____ पर दिया एक भी यदि (धरा, धरती, भूमि)

जवाब : धरा

13. कभी तो निशा को ______ मिलेगा।। (प्रात:, सुबह, सवेरा)

जवाब : सवेरा

14. जला दीप पहला तुम्हीं ने _____ की (अंधकार, तिमिर, अँधेरे)

जवाब : तिमिर

15. चुनौती _____ बार स्वीकार की थी। (प्रथम, अव्वल, पहली)

जवाब : प्रथम

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (2 Mark)** [10]

16. कविता में अँधेरे या तिमिर के लिए किन वस्तुओं के उदाहरण दिए गए हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जवाब : – अमावस
– निशा
– तिमिर की सरिता
– तिमिर की शिला
– पवन
– तूफ़ान

17. यह कविता आशा और उत्साह जगाने वाली कविता है। इसमें क्या आशा की गई है? यह आशा क्यों की गई है?

जवाब : यह कविता जीवनरूपी दीप में स्नेह व अपनापन रूपी तेल भरकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। निराशा के बीच ही आशा की एक किरण दिखाई देती है । मानव और विश्व कल्याण हेतु हमें महापुरुषों के पदचिह्नों पर चलना होगा। प्रेम, सद्भावना और मानवीय सौहार्द से यह जीवन खुशहाल बनता है। नई पीढ़ी इतिहास में हुए महान लोगों से प्रेरणा लेकर एक सुंदर भविष्य की नींव रखेगी। कविता मनुष्य के हृदय में विश्व बंधुत्व की आशा जाग्रत करती है।

18. पूर्णिमा की रात में चाँद कैसा दिखता है?

जवाब : पूर्णिमा की रात चंद्रमा पूरा दिखने लगता है। इसके बाद कला धीरे-धीरे घटती रहती है। चंद्रमा की कलाओं के बढ़ने के दिनों को; 'शुक्ल पक्ष' कहते हैं।

19. धरा पर अंधकार को मिटाने के लिए कवि ने क्या सुझाव दिए हैं?

जवाब : धरा पर अँधकार को मिटाने के लिए हम प्रेम व सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें। विद्युत – दिए न जलाकर प्रेम से भरे तेल रूपी दीप जलाने चाहिए।

20. द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी द्वारा रचित कविता 'जलाते चलो' कौन-कौन से जीवन मूल्यों का संदेश देती है? वर्तमान समय में इन मूल्यों की आवश्यकता क्यों है? अपने विचार लिखिए।

जवाब : द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी द्वारा रचित कविता 'जलाते चलो' से प्रेम, धैर्यशीलता, साहस, लोक-कल्याण और बलिदान जैसे मूल्यों को अपनाकर चलने का संदेश देती है। ये जीवन मूल्य हमारे अंदर मानवता का संचार कर सदैव मार्गदर्शन करते हैं ताकि हम अच्छाई के मार्ग से कभी विचलित न हो। इन मूल्यों पर टिका समाज टूटता नहीं है। वर्तमान समय में इन मानवीय मूल्यों की आवश्यकता अधिक है। क्योंकि इनके बिना देश, समाज और व्यक्ति की भलाई और प्रगति संभव नहीं है। वर्तमान समय में कुत्रिमता, स्वार्थ और भ्रष्टाचार जैसी बुराईयाँ पनप रही हैं। इसलिए मानवीय मूल्यों के महत्व को समझना व इनका पालन करना आवश्यक है। इन मूल्यों के विकास से ही सामाजिक बुराईयों का और अज्ञान का अंत होगा। अतः 'जलाते चलो' कविता का संदेश विद्यार्थियों को नई आशा और नई दिशा देता है।

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए (1 Mark)** **[8]**

21. कविता में किसे जलाने और किसे बुझाने की बात कही गई है?

जवाब : मनुष्य आशा रूपी दीपक जलाकर रखें। स्नेह से भरे दीपक चारों ओर जले और बिना स्नेह वाले विद्युत – दिये बुझा देने चाहिए क्योंकि बनावटी वस्तुएँ बाधा उत्पन्न करती हैं।

22. अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

जवाब : कविता पर आधारित रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थी स्वयं करेंगे। अपने अध्यापकों व साथियों की सहायता से गतिविधि पूर्ण करें।

23. जलाते चलो' कविता के कवि का नाम लिखिए।

जवाब : कवि का नाम है 'द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी ।

24. कवि क्या जलाने की बात करते हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जवाब : कवि दुनिया में 'स्नेह के दिये' जलाने की बात करते हैं।

25. यह दुनिया कैसे सुंदर बन जाएगी?

    जवाब : यदि हर व्यक्ति अपना कर्त्तव्य समझ ले और दूसरों की भलाई के लिए कार्य करे तो पूरी दुनिया सुंदर बन जाएगी।

26. कविता आपको कैसे प्रेरित करती है?

    जवाब : कविता हमें निराश न होने चुनौतियों का सामना करने और सबके कल्याण के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

27. कविता के अनुसार कौन-सी कहानी चली आ रही है और चलती रहेगी?

    जवाब : दीये और तूफ़ान की कहानी चली आ रही है और चलती रहेगी।

28. अंधकार की नदी को कैसे पार किया जा सकता है?

    जवाब : मनुष्य दीप की नाव तैयार करे। लगातार दीप नाव बहेगी तो अंधकार का किनारा ज़रूर मिलेगा ।

*** पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए : [20]**

29. जलाते चलो ये दिये स्नेह भर-भर
    कभी तो धरा का अँधेरा मिटेगा ।
    भले शक्ति विज्ञान में है निहित वह
    कि जिससे अमावस बने पूर्णिमा – सी,
    मगर विश्व पर आज क्यों दिवस ही में
    घिरी आ रही है अमावस निशा-सी ।
    बिना स्नेह विद्युत – दिये जल रहे जो
    बुझाओ इन्हें यों न पथ मिल सकेगा ।।

    प्रश्न 1.कवि क्या जलाने की बात कर रहे हैं?
    (क) बिजली
    (ख) बल्ब
    (ग) स्नेह के दिये
    (घ) मिट्टी के दिये

    प्रश्न 2.कवि दीपक में क्या भरकर जलाने की प्रेरणा दे रहे हैं?
    (क) स्नेह रूपी तेल डालकर
    (ख) घी भरकर
    (ग) बिजली
    (घ) शक्ति डालकर

    प्रश्न 3.अमावस किसका प्रतीक है?
    (क) अंधकार
    (ख) निशा
    (ग) निराशा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) सारे विकल्प सही हैं।

प्रश्न 4.आज कैसे दीपक जल रहे हैं?
(क) रंग-बिरंगे
(ख) विद्युत
(ग) विज्ञान
(घ) कोई नहीं

प्रश्न 5.बिना स्नेह विद्युत – दिये क्यों बुझाने हैं?
(क) रास्ता मुश्किल है
(ख) समय की कमी के कारण
(ग) क्योंकि पथ न मिल सकेगा
(घ) खर्चा बढ़ जाता है।

जवाब : 1.(ग) स्नेह के दिये
2.(क) स्नेह रूपी तेल डालकर
3.(घ) सारे विकल्प सही हैं।
4.(ख) विद्युत
5.(ग) क्योंकि पथ न मिल सकेगा

30. जला दीप पहला तुम्हीं ने तिमिर की
चुनौती प्रथम बार स्वीकार की थी,
तिमिर की सरित पार करने तुम्हीं ने
बना दीप की नाव तैयार की थी।
बहाते चलो नाव तुम वह निरंतर
कभी तो तिमिर का किनारा मिलेगा।

प्रश्न 1.अंधकार की सरिता पार करने के लिए मनुष्य ने क्या तैयार किया था ?
(क) दीप की नाव तैयार की
(ख) सारे दीपक जला दिये
(ग) कृत्रिम दिये बनाए
(घ) मनुष्य चलता रहा

प्रश्न 2.हमें जीवन के अंधकार में किससे उजाला मिलेगा?
(क) प्रेम रूपी दीपक से
(ख) धन-दौलत से
(ग) संपन्नता से
(घ) शांत बैठ जाने से

प्रश्न 3.कवि ने दीये की नाव को कैसे बहाने के लिए कहा है?
(क) थोड़ा विश्राम कर
(ख) लगातार
(ग) अकेले

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) नदी को रोककर

प्रश्न 4.तिमिर किसका प्रतीक है?
(क) अज्ञान
(ख) मुसीबतों
(ग) बुराई
(घ) सभी

प्रश्न 5.तिमिर को किनारा कैसे मिलेगा ?
(क) बुराइयों रूपी अंधकार को मिटाने से
(ख) चुनौतियों को स्वीकार करने से
(ग) तिमिर समाप्त हो चुका है।
(घ) (क) और (ख) दोनों विकल्प सही हैं।

जवाब : 1.(क) दीप की नाव तैयार की
2.(क) प्रेम रूपी दीपक से
3.(ख) लगातार
4.(घ) सभी
5.(क) बुराइयों रूपी अंधकार को मिटाने से

31. युगों से तुम्हीं ने तिमिर की शिला पर
दिये अनगिनत है निरंतर जलाए,
समय साक्षी है कि जलते हुए दीप
अनगिन तुम्हारे पवन ने बुझाए ।
मगर बुझ स्वयं ज्योति जो दे गए वे
उसी से तिमिर को उजेला मिलेगा।

प्रश्न 1.समय किसका साक्षी है?
(क) जलते दीप पवन ने बुझाए हैं।
(ख) मनुष्य के अनवरत प्रयासों का
(ग) हार न मानने की इच्छाशक्ति
(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 2.पवन के पर्यायवाची हैं-
(क) समीर
(ख) पताका
(ग) अनल
(घ) पावक

प्रश्न 3.अनगिनत दीप कहाँ जलाए गए ?
(क) दीवाली की रात
(ख) घर के आँगन में
(ग) अंधकार रूपी शिला पर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) कहीं नहीं

प्रश्न 4.तिमिर को उजाले में कैसे परिवर्तित करें? काव्यांश के आधार पर उत्तर छाँटे।
(क) शहीदों के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर
(ख) मोमबत्ती जलाकर
(ग) विद्युत – दिये की सहायता से
(घ) सुबह की इंतजार कर

प्रश्न 5.अनगिनत शब्द का अर्थ है-
(क) जिसे गिना जा सके
(ख) विशेष दिये का नाम है।
(ग) जिसकी गिनती न हो
(घ) संख्या

जवाब : 1.(घ) उपर्युक्त सभी
2.(क) समीर
3.(ग) अंधकार रूपी शिला पर
प्रश्न 4.(क) शहीदों के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर
5.(ग) जिसकी गिनती न हो

32. दिये और तूफ़ान की यह कहानी
चली आ रही और चलती रहेगी,
जली जो प्रथम बार लौ दीप की
स्वर्ण-सी जल रही और जलती रहेगी।
रहेगा धरा पर दिया एक भी यदि
कभी तो निशा को सवेरा मिलेगा।

प्रश्न 1.स्वर्ण-सी जल रही में कौन-सा अलंकार है?
(क) रूपक
(ख) पुनरुक्ति
(ग) उपमा
(घ) उत्प्रेक्षा

प्रश्न 2.निशा के पर्याय हैं-
(क) रात और रजनी
(ख) यामा और निशामति
(ग) निशाचर और क्षण
(घ) विधु और शशि

प्रश्न 3.निशा को सवेरा कब मिलेगा ?
(क) जल्द से जल्द
(ख) जब तक धरती पर एक भी दिया जल रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) जब तक एक भी मनुष्य विघ्न-बाधाओं से जूझ रहा है।
(घ) (ख) और (ग) दोनों सही हैं।

प्रश्न 4."जली जो प्रथम बार लौ दीप की.... रहेगी। " दी गई पंक्ति को सही विकल्प चुनकर पूर्ण कीजिए।
(क) स्वर्ण जल रही और जलती रहेगी।
(ख) स्वर्ण – सी रही और जली |
(ग) सोने के समान जलकर रहेगी।
(घ) स्वर्ण-सी जल रही और जलती रहेगी।

जवाब : 1.(ग) उपमा
2.(क) रात और रजनी
3.(घ) (ख) और (ग) दोनों सही हैं।
4.(घ) स्वर्ण-सी जल रही और जलती रहेगी।

----- -----

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in